रंगों और उमंग से सराबोर हुआ शहर

खास बातें

- जिलेभर में धूमधाम से मना होली का त्योहार
- एक दूसरे के गले मिल दीं शुभकामनायें

नवभारत न्यूज

विदिशा 5 मार्च, रंगों के पर्व होली को जिले भर में गुरुवार को बड़े उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया. सुबह से ही शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में लोग एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं देते नजर आए. बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने रंग-गुलाल के साथ इस पर्व का आनंद लिया.

शहर के प्रमुख चौराहों, कॉलोनियों और मोहल्लों में युवाओं की टोलियां ढोल-नगाड़ों और डीजे की धुन पर नाचती-गाती दिखाई दीं.कई स्थानों पर होली मिलन समारोह भी आयोजित किए गए, जहां लोगों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर आपसी भाईचारे का संदेश दिया. बाजारों में भी सुबह से रौनक बनी रही और मिठाई, रंग-गुलाल तथा पिचकारियों की दुकानों पर लोगों की भीड़ देखी गई.एक दिन पहले होलिका दहन की परंपरा भी विधि-विधान के साथ निभाई गई. लोगों ने होलिका की पूजा कर परिवार और समाज की सुख-समृद्धि की कामना की.होली के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस और प्रशासन द्वारा शहर के प्रमुख स्थानों पर विशेष इंतजाम किए गए थे.जगह-जगह पुलिस बल तैनात रहा, जिससे त्योहार शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ.रंगों के इस पर्व ने पूरे शहर को खुशियों और भाईचारे के रंग में रंग दिया तथा लोगों ने आपसी प्रेम और सौहार्द के साथ होली का पर्व मनाया.

गंजबासौदा में होली रंगोत्सव पर्व धूमधाम के साथ मनाया गया

होली रंगो उत्सव का पर्व धूमधाम के साथ मनाया गया इस वर्ष कंडडो की होली बनाई और जलाई गई बहुत कम लोगों ने होली लकड़ी की जलाई प्रशासन द्वारा नागरिकों से अनुरोध किया गया था की कंडों का उपयोग होली जलाने में न करें वृक्षों को बचाएं पर्यावरण की दृष्टि से लोगों ने छोटी छोटी होलिका दहन कर पूजा अर्चना की रात भर चहल-पहल चलती रही. रमजान का महीना होने के कारण प्रशासन द्वारा चाकचोबंद व्यवस्था की गई थी. होली के हुरयारे इस वर्ष बहुत कम मात्रा में घूमते फिरते देखे गए पहले जैसा हुड़दंग मचाने वाले गली मोहल्लों से गायब थे धुलेंडी पर बाजार बंद रहा युवाओं ने जमकर होली का आनंद लिया भांग शराब के नशे में लोग सड़कों पर पड़े देखे गए होली पर शराब दुकान बंद होने के चलते लोगों ने पहले ही खरीद कर रख ली थी शराब दुकानों पर पीछे के दरवाजे से शराब बिकती रही महंगे दामों पर कृषि फार्म बेतवा किनारे पार्टियां चलती रही फाग के रसिया फागें गाते रहे नगडिया ढोलक की धुन पर नचनिया नाचती रही अनुरय की पुरानी परंपरा जारी रही रंग गुलाल के साथ.

सिरोंज में होली पर जमकर उड़ा रंग गुलाल

सिरोंज, नगर में होली का पर्व धूमधाम से उत्साह के साथ मनाया गया. बुधवार को होली खेलने के लिए लोगों में खासा उत्साह दिखाई दिया. नगर के बाजारों एवं गली मोहल्लों में लोगों ने रंग बरसाकर होली का आनंद लिया. वही घरों पर भी अपने परिजनों एवं मित्रों के साथ होली खेली. इस दौरान जगह जगह पिकनिक एवं पार्टियों का दौर भी जारी रहा. लोगों ने अपने परिवार एवं मित्रों के साथ पिकनिक कर अवकाश एवं होली का आनंद लिया. होली पर्व पर बच्चों में भी काफी उत्साह दिखा. शहर की गलियों से लेकर मुख्य बाजार में बच्चों की टोलियों द्वारा रंग, गुलाल लगाकर होली खेली. वही होली पर लोगों ने भी एक दूसरे को रंग, गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी. वही होली पर्व के दूसरे दिन गुरुवार को क्षेत्र में भाई दूज का पर्व उत्साह के साथ मनाया गया. भाई दूज पर बहनों द्वारा अपने भाईयों को तिलक लगाया. वही भाईयों ने बहनों को उपहार दिये.

डीजे के शोर में दब गई नगड़िया, होली के रंग में घुलती परंपरा

आधुनिक चकाचौंध में खोती जा रही है पारंपरिक राई की थाप

नवभारत न्यूज

पठारी,रंगों के त्योहार होली पर आदिवासी अंचलों और ग्रामीण क्षेत्रों में किया जाने वाला पारंपरिक राई नृत्य आज भी अपनी विशिष्ट पहचान बनाए हुए है. कभी नगड़िया, ढोलक, झांझर और मंजीरे की सुमधुर थाप पर गोल घेरे में मशालों की रोशनी के बीच प्रस्तुत होने वाला राई नृत्य अब आधुनिकता की चकाचौंध में अपना मूल स्वरूप खोता नजर आ रहा है.

एक समय था जब राई नृत्य की शुरुआत नगड़िया की गूंजती आवाज से होती थी. ढोलक की लय, झांझर और मंजीरे की ताल के साथ ग्रामीण कलाकार ख्याल और राई गीत गाते हुए वातावरण को भक्तिमय और उत्साहपूर्ण बना देते थे.नृत्य स्थल पर मशालों से गोल घेरा बनाया जाता था, जिसके भीतर कलाकार पारंपरिक वेशभूषा में मनमोहक प्रस्तुति देते थे. यह दृश्य न केवल मनोरंजन का माध्यम था.

डीजे संस्कृति ने बदला स्वरूप

समय के साथ तकनीक और आधुनिक साधनों का प्रभाव ग्रामीण अंचलों तक पहुंचा. अब पारंपरिक वाद्य यंत्रों की जगह डीजे और तेज ध्वनि वाले साउंड सिस्टम ने ले ली है. राई नृत्य खुले मैदान और मशालों के घेरे से निकलकर मंचों पर पहुंच गया है. रंगीन लाइटों और फिल्मी गीतों की धुन पर प्रस्तुतियां दी जा रही हैं. इससे युवाओं में आकर्षण तो बढ़ा है, लेकिन पारंपरिकता पीछे छूटती दिखाई दे रही है.सामुदायिक एकता और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक भी माना जाता था.स्थानीय बुजुर्गों और संस्कृति प्रेमियों का कहना है कि राई नृत्य की गरिमा और मर्यादा पर भी प्रभाव पड़ा है. कुछ आयोजनों में राई के नाम पर अश्लील नृत्य और फिल्मी गीतों का प्रयोग किया जा रहा है, जिससे इसकी सांस्कृतिक पहचान धूमिल हो रही है. उनका मानना है कि यदि समय रहते इस दिशा में ध्यान नहीं दिया गया, तो आने वाली पीढ़ियां राई के वास्तविक स्वरूप से अनभिज्ञ रह जाएंगी.संरक्षण की आवश्यकता संस्कृति विशेषज्ञों का सुझाव है कि राई नृत्य को उसके पारंपरिक रूप में संरक्षित करने के लिए ग्राम स्तर पर प्रशिक्षण शिविर, सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं और पारंपरिक वाद्य यंत्रों को प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए. होली जैसे पर्व केवल रंगों का उत्सव नहीं, बल्कि सांस्कृतिक विरासत को सहेजने का अवसर भी हैं. आवश्यकता इस बात की है कि आधुनिकता और परंपरा के बीच संतुलन बनाकर राई नृत्य की मौलिकता को सुरक्षित रखा जाए. ताकि नगड़िया की थाप और मंजीरे की झंकार आने वाले वर्षों तक यूं ही गूंजती रहे.

सांची में हर्षोल्लास के साथ मना रंगबिरंगा होली पर्व, सौहार्द की मिसाल बनी नगर की फिजा

नगर भर में आज रंगों का पावन पर्व होली हर्षोल्लास और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया गया. जगह-जगह हुरियारों की टोलियां सूखे रंगों से होली खेलती नजर आईं और पूरे नगर में उल्लास का माहौल बना रहा.एक ओर मुस्लिम समुदाय का पवित्र रमजान माह चल रहा है, तो दूसरी ओर होली का पर्व पूरी शांति और आपसी सद्भाव के साथ संपन्न हुआ. दोनों पर्वों के बीच नगर में सामाजिक समरसता की सुंदर तस्वीर देखने को मिली. नगरवासियों ने संयम और समझदारी का परिचय देते हुए त्योहार मनाया, जिससे सभी को राहत और संतोष का अनुभव हुआ.होली के अवसर पर प्रमुख नागरिकों की टोलियां उन परिवारों के घर भी पहुंचीं, जिनके परिजन इस वर्ष स्वर्गवासी हो गए. उन्होंने शोकाकुल परिवारों को गुलाल लगाकर सांत्वना दी और उनके दुख में सहभागिता जताई.महिलाओं की टोलियों ने भी संबंधित परिवारों की महिलाओं से मिलकर उनका मनोबल बढ़ाया और संवेदनाएं व्यक्त कीं.यह दृश्य मानवीय संवेदना और सामाजिक एकता का प्रतीक बना रहा.शांतिपूर्ण ढंग से पर्व संपन्न होने पर नगर परिषद अध्यक्ष पप्पू रेवाराम ने नगरवासियों को बधाई दी.

कर्ज जमा करने की ड्यू डेट 30 अप्रैल करने की उठी मांग

केंद्रीय मंत्री को सौंपा ज्ञापन

नवभारत न्यूज

कुरवाई, सहकारी बैंक और सोसाइटियो से कर्ज लेने वाले किसानों को कर्ज 30अप्रैल तक कर्ज जमा करने की सुविधा दी जाए.कर्ज जमा करने की ड्यू डेट 30 अप्रैल की जाए.. समर्थन मूल्य पर अनाज की खरीदी 1 अप्रैल से आरंभ की जाना चाहिए ताकि एक महीने में किसानों के खाते में समर्थन मूल्य का पैसा पहुंच जाए. यह मांग करते हुए यहां क्षेत्र के किसानो ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान को विदिशा जाकर ज्ञापन पत्र सौंपा है. पूर्व मार्केटिंग अध्यक्ष हरि सिंह चौहान के नेतृत्व में सोपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि किसानों के अनाज की खरीदी समर्थन मूल्य पर होने के बाद उनके खाते में पैसा आता है.30 मार्च तक किसानों को पैसा जमा करना मुश्किल होता है.किस कारण से अनेक किसान ओवरड्यू हो जाते हैं। कर्ज की राशि 30 अप्रैल तक जमा करने की ड्यू डेट निश्चित की जाए.ताकि किसानों को 0ब कर्ज का लाभ मिल सके. ज्ञापन पत्र सौंपने वालो में पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष गिरजेश साहू, जानू भागीदारी समिति के अध्यक्ष सीताराम सेनी, भाजपा मंडल अध्यक्ष राजेश लोधी, के साथ क्षेत्र के अनेक किसान शामिल थे.

राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के सदस्य सिरोंज आये

नवभारत न्यूज

सिरोंज, राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो गुरुवार को सिरोंज आये. इस दौरान उन्होंने केथन बांध क्षेत्र में नौका पूजा में सहभागिता की. साथ ही घटोईया बाबा की पूजा और ध्वजारोहण कार्यक्रम में शामिल हुए. इस मौके पर अधिकारी, कर्मचारी एवं नागरिक मौजूद रहे.

मसूदपुर में 158 वृद्धजनों को मिला स्वास्थ्य का संबल

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा, ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा की दिशा में एक सराहनीय और मानवीय पहल करते हुएआयुष्मान आरोग्य मंदिर मसूदपुर द्वारा वृद्धजनों के लिए एक भव्य होलिस्टिक वेल बीइंग कैंप का सफल आयोजन किया गया. यह शिविर न केवल स्वास्थ्य सेवा का माध्यम बना, बल्कि वरिष्ठ नागरिकों के प्रति सम्मान और संवेदना का प्रतीक भी साबित हुआ.शिविर की नोडल अधिकारी डॉ दर्शना रघुवंशी ने जानकारी देते हुए बताया कि कुल 158 वृद्ध लाभार्थियों ने शिविर में भाग लेकर स्वास्थ्य परीक्षण, विशेषज्ञ परामर्श एवं नि:शुल्क दवा वितरण का लाभ प्राप्त किया.

एक नजर में

होली मिलन समारोह आज

नवभारत न्यूज

सिरोंज, विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल द्वारा शहर में 6 मार्च शुक्रवार को दोपहर 12 बजे से तहसील रोड स्थित एक निजी गार्डन में होली मिलन समारोह का आयोजन किया जावेगा. इस दौरान लोग एक दूसरे को रंग, गुलाल लगाकर होली पर्व की शुभकामनाएं देंगे.

घर के बाहर से मोटरसाइकिल चोरी

नवभारत न्यूज

सांची, वार्ड 11 कुंआ गांव निवासी नीरज सिंह राजपूत ने अपने घर के बाहर खड़ी मोटरसाइकिल चोरी होने की शिकायत सांची थाने में दर्ज कराई है. दिए गए आवेदन के अनुसार उनकी हीरो होंडा कंपनी की काले रंग की मोटरसाइकिल 2 मार्च की रात अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर ली गई.पीड़ित ने बताया कि उन्होंने अपने स्तर पर आसपास तलाश की, लेकिन वाहन का कोई पता नहीं चल सका.पीड़ित ने मामले में पुलिस से कार्रवाई की मांग की है.पुलिस ने आवेदन प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है.

सत्यम का एमपीपीएससी में चयन, अब देंगे राजधानी में सेवाएं

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा,ग्राम मलकपुर (राजेंद्र नगर) निवासी कृषक तुलाराम बघेल के पुत्र सत्यम बघेल ने अपने परिश्रम और लगन से एक बार फिर क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है. मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा परीक्षा 2024 में उनका चयन डिस्ट्रिक्ट ट्रेजरी आफिसर के पद पर हुआ है.

इस नियुक्ति के साथ ही वे प्रदेश की राजधानी भोपाल में अपनी सेवाएँ प्रदान करेंगे.यह सत्यम बघेल की दूसरी बड़ी उपलब्धि है.इससे पूर्व वर्ष 2022 की राज्य सेवा परीक्षा में उनका चयन वाणिज्य कर निरीक्षक के पद पर हुआ था. वर्तमान में वे नीमच जिले में कार्यरत हैं.किसान परिवार से ताल्लुक रखने वाले सत्यम की सफलता उनकी मेहनत और दृढ़ इच्छाशक्ति का प्रमाण है. सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन किया.उनका कहना है कि संघर्ष ही सफलता की सबसे बड़ी पाठशाला है, और निरंतर प्रयास से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं रहता.

एफआईआर नहीं हुई दर्ज, की गयी शिकायत

नवभारत न्यूज

विदिशा, गुरुवार को दुष्कर्म पीड़िता के परिवार ने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के एक कार्यक्रम में पहुंचकर शिकायत की. परिवार का आरोप है कि उनकी एफआईआर दर्ज नहीं की जा रही थी. शिवराज सिंह चौहान ने उनकी बात सुनी और अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए.यह घटना रवींद्रनाथ टैगोर संस्कृति भवन में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान हुई. जब शिवराज सिंह चौहान मंच से संबोधित कर रहे थे, तभी पीड़ित परिवार ने उन्हें बीच में रोका और अपनी व्यथा सुनाई.

लटेरी में दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर

नवभारत न्यूज

विदिशा, लटेरी में बुधवार शाम सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना चैनपुरा के पास दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने की टक्कर से हुई। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद विदिशा जिला अस्पताल रेफर किया गया है.जानकारी के अनुसार, टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों मोटरसाइकिल चालकों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई. आसपास के लोगों ने तुरंत घायलों को लटेरी अस्पताल पहुंचाया.मृतकों की पहचान कोलुआ पठार निवासी कल्याण बंजारा और आनंदपुर के सदुरू नगर निवासी जितेंद्र के रूप में हुई है। ये दोनों अपनी-अपनी मोटरसाइकिल चला रहे थे.

ब्रज रस में डूबा वेदांत मंदिर, जगद्गुरु के सानिध्य में सजा होली महोत्सव

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा, ब्रजभूमि की पावन धरा पर सुनरख रोड स्थित श्रीजी पुरम का भक्ति वेदांत मंदिर उस समय सचमुच ब्रजरंग में रंग उठा, जब जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामकमलाचार्य वेदान्तीजी महाराज के सानिध्य में मंगलवार को 10 कुंटल पुष्पों की वर्षा के बीच भव्य फूलों की होली खेली गई.भजनों की गूंज, पुष्पों की सुगंध और श्रद्धालुओं के उत्साह से पूरा वातावरण भक्तिरस में सराबोर हो गया. दिन में प्रेम और उल्लास की पुष्पवर्षा हुई वहीं सोमवार की रात्रि को मंदिर परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ होलिका दहन कर अधर्म पर धर्म की विजय का संदेश दिया गया.मंदिर परिसर में दोपहर बाद गुलाब, गेंदा और अन्य सुगंधित फूलों की वर्षा की गई.करीब 10 कुंटल फूलों से श्रद्धालुओं ने एक-दूसरे पर पुष्प अर्पित कर होली खेली. राधे-राधे के जयघोष और ढोल-मंजीरे की थाप पर भक्त झूमते नजर आए. मंदिर परिसर पूरी तरह फूलों की खुशबू से महक उठा. स्वामी रामकमलाचार्य वेदान्तीजी महाराज ने कहा कि ब्रज की होली प्रेम, सद्भाव और आध्यात्मिक एकता का प्रतीक है. फूलों की होली हमें जीवन में कोमलता और सौहार्द बनाए रखने की प्रेरणा देती है. उन्होंने श्रद्धालुओं से समाज में सदाचार और संस्कारों को मजबूत करने का आह्वान किया. जगदगुरुजी कहा कि ब्रज की होली आत्मा को प्रेम और भक्ति के रंग में रंगने का पर्व है.फूलों की कोमलता हमें जीवन में नम्रता, सौहार्द और करुणा का संदेश देती है.जब मन में ईश्वर के प्रति प्रेम जागृत होता है, तब जीवन का प्रत्येक क्षण उत्सव बन जाता है.होली केवल रंगों का उत्सव नहीं, बल्कि हृदय को प्रेम और भक्ति से रंगने का पावन पर्व है.उन्होंने कहा कि जैसे होलिका दहन में अहंकार और बुराइयों का दहन होता है, वैसे ही प्रत्येक व्यक्ति को अपने भीतर की ईर्ष्या, द्वेष और क्रोध को त्यागना चाहिए. फूलों की होली का अर्थ है जीवन में कोमलता, मधुरता और सुगंध का समावेश.होली उत्सव में गंजबासोदा से आए संघ के प्रचारक राकेश परमार अजय सिंह रघुवंशी, पत्रकार देवेंद्र रघुवंशी, वेदांत आश्रम ट्रस्ट के सचिव सौरव सुहाने, रामराज रघुवंशी सहित अनेक भक्त मौजूद थे.

पठारपुरा में डॉ. अमृता करुणेश्वरी ने दिया नशा मुक्ति और पर्यावरण संरक्षण का संदेश

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा (पठारपुरा), वार्ड नंबर 17 स्थित सिद्ध क्षेत्र भतन माता मंदिर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के पांचवें दिन श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा.प्रख्यात कथावाचिका डॉ. अमृता करुणेश्वरी जी ने अपनी ओजस्वी वाणी से भगवान श्री कृष्ण की गोवर्धन पूजा और छप्पन भोग के प्रसंग का सजीव वर्णन किया. कथा के दौरान डॉ अमृता करुणेश्वरी. जी ने केवल धार्मिक व्याख्यान ही नहीं दिए, बल्कि समाज को नई दिशा देने वाले नशा मुक्ति और पर्यावरण शुद्धि के गंभीर विषयों पर भी प्रकाश डाला.शरीर भगवान का मंदिर है, इसे नशे से अपवित्र न करें.नशा मुक्ति पर जोर देते हुए डॉ. अमृता करुणेश्वरी जी ने भावुक अपील की. उन्होंने कहा कि यदि आप वास्तव में कृष्ण भक्त हैं, तो व्यसनों का त्याग करें। नशा न केवल आपके शरीर को खोखला करता है, बल्कि पूरे परिवार की खुशियों को निगल जाता है. नशे को छोड़कर भक्ति का नशा अपनाएं, जो जीवन को नष्ट नहीं, बल्कि आनंदित करता है. पर्यावरण के प्रति जागरूक करते हुए उन्होंने गोवर्धन पर्वत की पूजा को प्रकृति संरक्षण से जोड़ा.जल शुद्धि का संकल्प- यमुना जी के शुद्धिकरण का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि नदियों और तालाबों में कचरा फेंकना अपराध है.

विकास पचौरी रेडियो
84 35 250 250
मोबाइल के प्ले स्टोर पर
Vikas Pachori Radio
टाइप करके इंस्टॉल कीजिए
और लगातार 24 घण्टे
आनंद लीजिए.

श्रमदान सात्साहिक श्रमदान अभियान 5.0 के तहत 21वां चरण सम्पन्न

घाट स्वच्छता के साथ प्रवाह क्षेत्र से जलकुंभी हटाने का व्यापक अभियान शुरू

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा, नदी केवल जलधारा नहीं होती, वह सभ्यता की वाहक, आस्था की आधारशिला और जीवन की संवाहिका होती है.इसी भावना को आत्मसात करते हुए श्रमदान दल के सान्निध्य में संचालित सात्साहिक श्रमदान अभियान 5.0 का 21वाँ चरण वही उत्साह और समर्पण के साथ सम्पन्न हुआ.प्रात:कालीन बेला में जब सूरज की किरणें जल की सतह पर सुनहरी आभा बिखेर रही थीं, उसी समय श्रमदान दल के सदस्य रिपटा घाट पर एकत्रित हो रहे थे.संकल्प एक, उद्देश्य एक ताकि स्वच्छ हो मां वैत्रवती की जल धार. यह प्रयास दल के सदस्यों द्वारा लगातार कई वर्षों घाट के किनारों पर फैले प्लास्टिक, पॉलीथिन, पूजन सामग्री के अवशेष, कपड़े तथा अन्य अपशिष्टों को एकत्रित किया जा रहा है , जिससे उनका वैज्ञानिक निस्तारण सुनिश्चित हो सके. पांच वर्षों के इस सफर में दल द्वारा सैकड़ों टन प्लास्टिक नदी में प्रवाहित होने से बचाया है.

21 वे चरण की विशेषता रही नदी के प्रवाह क्षेत्र से जलकुंभी हटाने के कार्य का भी आरंभ हुआ .बता दे कि जलकुंभी एक ऐसी तीव्र गति से फैलने वाली जलीय वनस्पति है, जो कि पानी की सतह में दूषित सामग्री के जमा होने के फलस्वरूप पनपती है और कुछ ही समय में जल की सतह को ढक लेती है. इससे सूर्य का प्रकाश जल के भीतर नहीं पहुँच पाता, घुलित ऑक्सीजन का स्तर घटता है और जलीय जीवों का जीवन संकट में पड़ जाता है. दल के सदस्य घंटों तक कमर और छाती तक पानी में रहकर जलकुंभी को जड़ों सहित उखाड़ते रहे. यह कार्य अत्यंत श्रमसाध्य और जोखिमपूर्ण होता है.

21 वे चरण में नदी स्वच्छता कार्यक्रम में उपस्थित राकेश रघुवंशी, दीपेश शर्मा, नितिन अग्रवाल, नीरज साहू, कुलदीप दांगी, राहुल कुशवाह एवं आकाश जैन ने आगामी होली महोत्सव के अवसर पर नगरवासियों से हृदयस्पर्शी सामूहिक अपील की है कि सभी नगर वासियों का सामूहिक दायित्व है कि घाटों को स्वच्छ रखें. रासायनिक रंगों और प्लास्टिक पैकेजिंग को नदी में प्रवाहित न करें. घाट किनारे रंग खेलने और रंग धोने से परहेज करें.प्राकृतिक और पर्यावरण-अनुकूल रंगों का उपयोग करें.भारतीय रेल में कार्यरत दल के सदस्य राहुल कुशवाह जी कहते है कि पर्वों की पवित्रता तभी बनी रह सकती है जब हम प्रकृति की मर्यादा का भी ध्यान रखें. क्यों कि आस्था का अर्थ अव्यवस्था नहीं, बल्कि अनुशासन और संवेदनशीलता है. यदि हम अपने उत्सवों को पर्यावरण के अनुकूल बना लें, तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और निर्मल नदी का उपहार दे सकते हैं। वहीं आवास फाइनेंस टीकमगढ़ शाखा में क्रेडिट मैनेजर पद पर पदस्थ नीरज साहू जी कहते है कि पांच वर्ष और 21 सप्ताह की यह यात्रा अब केवल आँकड़ा नहीं, बल्कि श्रम एवं विश्वास की कहानी है—उस विश्वास की, जो यह कहता है कि छोटे-छोटे प्रयास मिलकर बड़े परिवर्तन का आधार बनते हैं.श्रमदान दल का यह संकल्प है कि जब तक नदी पूर्णत: स्वच्छ और प्रवाहमान नहीं हो जाती, तब तक यह अभियान निरंतर चलता रहेगा.दल ने सभी सामाजिक संगठनों, युवाओं, महिलाओं और जागरूक नागरिकों से आह्वान किया है कि वे इस जनआंदोलन का हिस्सा बनें और जल की महत्व को समझे और जागरूकता का परिचय दे.

केंद्रीय मंत्री के जन्मदिवस पर किया पौधरोपण

नवभारत न्यूज

कुरवाई, मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री तथा वर्तमान केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान के जन्मदिवस के अवसर पर कुरवाई में पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए वृक्षारोपण किया गया.इस अवसर पर कुरवाई विधायक हरि सिंह सप्रे ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ नगर के नहर वाले हनुमान मंदिर प्रांगण में पाँच पौधों का रोपण किया। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने पौधों की सुरक्षा और उनके संरक्षण का भी संकल्प लिया.विधायक हरि सिंह सप्रे ने कहा कि भाईसाहब शिवराज सिंह चौहान का प्रतिदिन वृक्षारोपण करने का संकल्प प्रकृति के प्रति उनके अद्वितीय प्रेम और पर्यावरण संरक्षण की भावना का उत्कृष्ट उदाहरण है.कार्यक्रम में भाजपा के कई कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे, जिन्होंने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया. इस अवसर पर जनभगिदारी समिति अध्यक्ष सीताराम सैनी,वरिष्ठ नेता हरि सिंह चौहान,गिरजेश साहू, मण्डल अध्यक्ष राजेश लोधी,योगेश राठौर,मोहन प्रजापति,दीपक जाट,नीलेश नामदेव प्रमुख रूप से मौजूद थे.